समस्या | लाइन में लीकेज के कारण नालियों का पानी घर में पहुंच रहा

महाराणा प्रताप वार्ड में पेयजल समस्या, 80 मकानों में नहीं पहुंचा पानी

जबलपुर, नवभारत। नगर निगम द्वारा हर घर को पेयजल मुहैया कराने वाली योजना के दावे के बीच महाराणा प्रताप वार्ड के परसवाड़ा कॉलोनी धनवंतरी नगर में बने 80 घरों में 1 साल से जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। लोगों ने अपने घरों मे पानी नहीं पहुंच पाने को लेकर कई बार पार्षद से लेकर अधिकारियों तक को शिकायतें की लेकिन आज तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सका है। लोगों का आरोप है कि जलकर तो नगर निगम उनसे ले रहा है लेकिन बदले में पानी नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री की ऑनलाइन कंप्लेंट पोर्टल में पानी दिलाने की मांग की है। स्थानीय निवासी कमलेश प्रजापति ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा परसवाड़ा कॉलोनी में 4 इंच की पाइपलाइन बिछाई गई थी जिसे निगम द्वारा तोड़कर 2 इंच की पाइपलाइन में परिवर्तित कर दिया गया जिसके चलते पानी का प्रेशर डाउन हो गया और पूरी कॉलोनी में के किसी भी घर में पेयजल नहीं पहुंच पा रहा है।

जहां पाइपलाइन वहां गंदा पानी

शहर के महाराणा प्रताप वार्ड में पेयजल की पाइप लाइन में लीकेज हो ने के कारण घरों में गंदा पानी आ रहा है। इससे लोगों की सेहत पर विपरीत असर पड़ रहा है। साथ ही हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। वार्डवासी कई बार नगर निगम मे शिकायत भी दे चुके हैं, इसके बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बता दें, कि नगर निगम के महाराणा प्रताप वार्ड मे परसवाड़ा कॉलोनी के आसपास कई स्थानों पर पाइप लाइन फूटी है। इससे पाइप लाइन में नालियों का गंदा बदबूदार पानी मिलकर नलों के माध्यम से घरों में पहुंच रहा है। इससे लोग पानी नहीं भर पा रहे हैं, उन्हें पीने के पानी के लिए इधर-उधर से इंतजाम करना पड़ रहा है। वार्ड के कमलेश विश्वकर्मा ने बताया कि वार्ड के रास्ते में और घरों के सामने एक साल से पाइप लाइन में लीकेज हो रही है, जिससे लोगों के घरों में गंदा पानी पहुंच रहा है। इस कारण लोगों को पेट दर्द की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन का पक्ष

किशन गर्मी में जल संकट से जूझ रहे महाराणा प्रताप वार्ड के पार्षद से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वार्ड में कहीं भी पेयजल की समस्या नहीं है सिर्फ एक जगह पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण थोड़ी देर के लिए पेयजल सप्लाई बाधित हुई थी। वही वार्डवासियों ने बताया कि पेयजल की समस्या को लेकर अधिकारियों व कर्मचारियों को अवगत भी कराया गया था, लेकिन जिम्मेदारों ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहे है।

इनका कहना है

वार्ड में पिछले 1 साल से पेयजल की समस्या बनी हुई है जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

निकेश गणवीर

इस भीषण गर्मी में पेयजल की आपूर्ति सही तरीके से नहीं होने कारण रोज परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रौनक

घरों में गंदा पानी आ रहा है जिसके चलते स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

कमलेश विश्वकर्मा

वार्ड में पेयजल को लेकर कोई भी समस्या नहीं है सिर्फ एक दिन के लिए समस्या हुई थी उसे भी दुरुस्त कर लिया गया है।

जितेंद्र कटारे
पार्षद
महाराणा प्रताप बोर्ड

अमृत जल प्रोजेक्ट के पूरे होते ही पूरे शहर को बेहतर आपूर्ति की जा सकेगी। अभी परसवाड़ा कॉलोनी से टंकी दूर होने के कारण समस्या उत्पन्न हो जाती है।

कमलेश श्रीवास्तव, कार्य यंत्री जल, नगर निगम

डीएनएलयू की कार्यप्रणाली कटघरे में हाईकोर्ट ने अनावेदकों से मांगा जवाब

जबलपुर। धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (डीएनएलयू) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए मामले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई हैं। कार्यरत आउटसोर्सिंग सुपरवाईजर द्वारा दायर याचिका में आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने बिना विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने राज्य शासन एवं डीएनएलयू को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

जबलपुर निवासी आशीष पाठक की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि 4 नवंबर 2025 को अनुशासन समिति ने याचिकाकर्ता को ई-मेल भेजकर कहा कि हम आपको कारण बताओ नोटिस जारी नहीं करेंगे, बस शिकायतों का वर्जन भेज दीजिए और चीजों को जटिल मत बनाइए। दलील दी गई कि जिस विश्वविद्यालय में देश के भविष्य के वकीलों को प्राकृतिक न्याय और सुनवाई का अधिकार पढ़ाया जाता है, वहीं सुनवाई के पहले फैसला क्यों सुनाया जा रहा है। याचिका में विश्वविद्यालय के अपने ही अधिनियम और नियमों का हवाला देकर कहा गया है कि अनुशासन समिति का गठन और कार्रवाई नियमों के विपरीत है। मामले को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने अनावेकों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

पूर्व पति के जीवित रहते विवाह विच्छेद बिना, दूसरा विवाह शून्य

कुटुम्ब न्यायालय का महत्वपूर्ण फैसला

कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश मुकेश कुमार दांगी की अदालत ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि पूर्व पति के जीवित रहते विवाह विच्छेद बिना दूसरा विवाह शून्य होता है। मामले में आवेदक बिलहरी जबलपुर निवासी लोकेश कुमार राव की ओर से दलील दी गई कि आवेदक का विवाह गोरखपुर निवासी सपना उर्फ मोनू पासी के साथ 10 मई 2017 को हिंदू रीति रिवाज के साथ हुआ था। वर्तमान में दोनों पृथक निवासरत हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि विवाह के बाद से ही पत्नी अपने पति को परेशान करने लगी थी। वह शारीरिक व मानसिक कष्ट देकर क्रूरता कर रही थी। आवेदक व उसकी पत्नी एक ही कार्यालय में कार्य करते थे। इसी दौरान मधुर संबंध हो गए। सपना ने बताया कि उसके पति दुर्गा प्रसाद की मृत्यु हो चुकी है, उससे उत्पन्न एक पुत्र रौनक है। आवेदक विवाह के लिए तैयार हो गया। लेकिन शादी के बाद से ही सपना संयुक्त परिवार से दूर अलग मकान लेकर रहने दबाव बनाने लगी। विवाद कर मायके चली गई। इसी बीच उसके पहले पति के जीवित रहने और विवाह विच्छेद न होने की जानकारी मिली। इससे साफ हो गया कि आवेदक से किया विवाह अवैधानिक होने के कारण शून्य है। इसीलिए अदालत की शरण ली गई। अदालत ने साफ किया कि ऐसा विवाह शून्य करने अलग से आदेश आवश्यक नहीं, वह प्रारंभ: ही शून्य है।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू

नवभारत, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसके तहत प्रवेश पंजीकरण पोर्टल खोल दिया गया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। बुधवार को आयोजित प्रवेश पोर्टल प्रारंभ बैठक में कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि छात्रों को प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना है।

विश्वविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. सभा भवन में आयोजित बैठक में प्रवेश समिति संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि विद्यार्थी कहीं से भी एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल या शासन के ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से अपना ऑनलाइन प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं। विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों के विषयवार सीटों की संख्या, पात्रता मानदंड और पूरी प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है ताकि प्रवेश प्रक्रिया पारदर्शी और सरल बन सके। इसके साथ ही विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, एक समृद्ध केंद्रीय पुस्तकालय, वाई-फाई युक्त परिसर और छात्रावास सहित आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करता है। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रवेश समिति के संयोजक के साथ कई अन्य शिक्षक और अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य रूप से डॉ. अजय गुप्ता, डॉ. विनय तिवारी, डॉ. विनीता तिवारी, डॉ. निधि सक्सेना, डॉ. आशा रानी, डॉ. जया सिंह, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. उमाकांत गजवीर, डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. राकेश भट्ट, डॉ. प्रदीप विश्वकर्मा, डॉ. अर्पण शुक्ला, डॉ. अमरीषा देशमुख, डॉ. रंजना मिश्रा सहित समिति के अन्य सदस्यगण मौजूद रहे।

क्राईम ब्रांच हनुमानताल पुलिस ने किया गिरफ्तार, 125 नग नशीले इंजेक्शन, 430 ग्राम गांजा, नगद 18 हजार रूपये जब्त

दो भाई कर रहे थे नशीले इंजेक्शन व गांजा सप्लाई का कारोबार

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर पुलिस ने नशे के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए नशीले इंजेक्शन एवं अवैध मादक पदार्थ गांजा के कारोबार मे लिप्त 2 आरोपी भाईयों को गिरफ्तार किया है जिनके पास से पुलिस ने 125 नग नशीले इंजेक्शन, 430 ग्राम मादक पदार्थ गांजा और नगद 18 हजार रूपये जप्त किए हैं।

जानकारी के अनुसार हनुमानताल पुलिस और क्राइम ब्रांच ने साहिल सोनकर उम्र 23 साल निवासी साहू मोहल्ला प्रेमसागर थाना हनुमानताल , सावन सोनकर पिता सुदेश उर्फ सिद्धू सोनकर उम्र 21 साल निवासी साहू मोहल्ला प्रेमसागर को गिरफ्तार किया है।

तलाशी लेने पर साहिल थैले में तीन प्लास्टिक की पन्नी रखे था पॉलिथिन क्रमांक 1- नशीले इंजेक्शन बुप्रेनॉर्फीन इंजैक्शन आई पी 0-3 रेक्सो जेसिक के 16 पैकेट तथा प्लैजैसिक बुप्रेनॉर्फीन के चार पैकेट प्रत्येक पैकट में पांच पांच इंजेक्शन ,इस प्रकार 2 एमएल के 100 एम्पुल, प्रत्येक इजेक्शन मे 3 एमजी बुप्रेनॉर्फीन ड्रग है तथा दूसरी पॉलिथिन में एविल 10 एमएल फेनारेमाईन मैलिएट इंजेक्शन 25 नग कीमती 5096/रु के तथा तीसरी पॉलिथिन मे इंजेक्शन मादक पदार्थ बिक्री के फुटकर नोटो की नौ गड्डी मे 18000/ रुपये रखे हुए था । साहिल सोनकर ने पूछताछ में बताया कि शीतला माई के सिद्धार्थ शर्मा के पास से उपरोक्त इंजेक्शन खरीद कर लाता है तथा नशा करने वालो को एक सेट पालजेसिक रेक्सजेसिक मे से एक तथा एक एविल का सेट बनाकर तीन सौ रुपये का विक्रय करता है। इसी प्रकार आरोपी सावन सोनकर की तलाशी लेने पर अपने हाथ मे रखी लाल रंग की प्लास्टिक की पन्नी के अंदर 20 पॉलिथिन के पैकेट में अवैध मादक पदार्थ गांजा तथा एक बटनदार चायना चाकू रखे मिला । उपरोक्त अवैध मादक पदार्थ के संबंध में पूछताछ करने पर अपने जीजा ऋषि सोनकर निवासी ब्योहार बाग से खरीद कर लाना तथा एक पुड़िया तीन सौ रुपये मे ग्राहको को बेचना स्वीकार किया । उल्लेखनीय है कि दोनो भाई है तथा बाजार से इंजेक्शन तथा गांजा खरीदकर लाते है और चोरी छिपे इसे बेचते थे। आरोपियों के कब्जे से नशीले इंजेक्शन, जप्त करते हुये उनके खिलाफ धारा 8/20,8/22., 29 एनडीपीएस एक्ट 5/13 ड्रग कन्टोल अधिनियम, 18 (ब) औषधि प्रसाधन एक्ट 123, 3/5 बीएनएस, 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है ।

हृदय स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में किया जागरूक

जबलपुर, नवभारत। यशोदा हॉस्पिटल्स, हैदराबाद ने 20 मई, बुधवार को एक भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन्नत हृदय उपचार, हार्ट ट्रांसप्लांट, मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी, रोबोटिक हृदय सर्जरी तथा समग्र हृदय स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। यह कार्यक्रम यशोदा हॉस्पिटल्स की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है जिसके तहत वह मध्य भारत के मरीजों तक विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं और उन्नत हृदय उपचार पहुंचा रहा है। मीडिया को संबोधित करते हुए उदय भास्कर एनवीएस, डिप्टी जनरल मैनेजर - मार्केटिंग, तथा वीरेंद्र वर्मा, डिप्टी मैनेजर मार्केटिंग, ने यशोदा हॉस्पिटल्स समूह का परिचय देते हुए बताया कि यह हैदराबाद की सबसे प्रतिष्ठित और विश्वसनीय मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य संस्थाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि यशोदा हॉस्पिटल्स ने क्लिनिकल एक्सीलेंस, अत्याधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी और पेशेंट-सेंट्रिक सेवाओं के माध्यम से हेल्थकेयर क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। उन्होंने बताया कि यशोदा हॉस्पिटल्स हैदराबाद में कई अत्याधुनिक यूनिट्स का संचालन करता है, जहां हजारों बेड्स की सुविधा, मॉडर्न ऑपरेशन थिएटर्स, एडवांस्ड आईसीयू, अत्याधुनिक कैथ लैब्स तथा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स के अनुरूप हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल समूह के पास एनएबीएच और एनएबीएल मान्यता प्राप्त सुविधाएं, आधुनिक डायग्नोस्टिक टेक्नोलॉजी, डेडिकेटेड ट्रांसप्लांट यूनिट्स तथा अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों की मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि कार्डियक साइंसेज, ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन, न्यूरोसाइंसेज, ऑन्कोलॉजी, क्रिटिकल केयर तथा मिनिमली इनवेसिव सर्जरी में 'उत्कृष्ट सेवाओं के कारण यशोदा हॉस्पिटल्स देश और विदेश के मरीजों के लिए प्रेफर्ड हेल्थकेयर डेस्टिनेशन बन चुका है।

फांसी के फंदे पर झूला युवक, मौत

जबलपुर, नवभारत। गोरखपुर थानांतर्गत सेठी नगर निवासी 22 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को पंचनामा कार्रवाई के बाद पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया और जांच शुरू की। इस संबंध में गोरखपुर पुलिस ने बताया कि सेठी नगर कुम्हार मोहल्ला निवासी समीर महात्मा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात है जिसकी जांच की जा रही है।

विद्युत वितरण कम्पनी मुख्यालय पर पेंशनर्स का धरना

नवभारत, जबलपुर। विद्युत पेंशनर्स हित रक्षक संघ, शाखा जबलपुर सहित मध्य प्रदेश की 45 शाखाओं के लगभग 350 पेंशनर्स ने भीषण गर्मी के बीच एकजुटता दिखाते हुए मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी, मुख्यालय इन्दौर के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शन किया। संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता के आह्वान पर 20 मई को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित इस शान्तिपूर्ण धरने का मुख्य उद्देश्य अपनी दो प्रमुख माँगों को प्रशासन के समक्ष मजबूती से प्रस्तुत करना था।

इस धरना एवं प्रदर्शन के दौरान विद्युत पेंशनर्स द्वारा प्रमुख रूप से दो माँगें रखी गईं। पहली माँग के तहत विद्युत पेंशनर्स के पेंशन की गारंटी के साथ ट्रेजरी से पेंशन का भुगतान करने की बात कही गई है। वहीं दूसरी माँग में केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई तिथि से ही विद्युत पेंशनर्स को भी महंगाई राहत मय एरियर के प्रदान करने की माँग की गई है। प्रदर्शन की समाप्ति पर जबलपुर शाखा के पदाधिकारियों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में उपस्थित रहे सुकेश घोष, पी. आर. विश्वकर्मा, जयवंत खारपाटे, ए. कृष्णन अय्यर, शिरीष नेरकर, सुब्रोतो बैनर्जी एवं अन्य पदाधिकारियों ने इस प्रदर्शन में शामिल हुए सभी पेंशनर्स का आभार व्यक्त किया।

अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 3 तस्कर गिरफ्तार

नवभारत, जबलपुर। कैंट और गोहलपुर पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 3 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है जिनके पास से पुलिस ने 497 पाव देशी शराब और 2 दो पहिया वाहन जप्त किये हैं। कैंट टीआई पुष्पेंद्र पटले ने नवभारत को बताया कि बीती रात मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति बिना नंबर की ग्रे रंग की एक्सेस दोपहिया वाहन मे अवैध रूप से भारी मात्रा में शराब लेकर सदर तरफ आ रहा है, सूचना पर योध्दा चौक मे दबिश दी गई जहां एक एक्सेस मोटर साईकल योध्दा चौक से सप्लाई डिपो रोड से मुर्गी ग्राउंड तरफ जाते दिखा जो पुलिस को देखकर तेजी से भागने लगा । पुलिस ने इसका पीछा करते हुए उसे मुर्गी ग्राउड मे पकड़ा । पकड़े गए आरोपी का नाम केशव पटेल उर्फ अम्मू उम्र 29 साल निवासी खेरमाई माता मंदिर के बाजू मे नया कंचनपुर थाना आधारताल सामने आया जिसके पास से पुलिस ने

खाकी रंग के 5 कार्टून में रखे 250 पाव एवं वाहन की ढिक्की में रखे 50 पाव देशी शराब कीमती 22500 रूपये के रखे मिले आरोपी केशव पटेल के कब्जे से 300 पाव देशी शराब मय बिना नम्बर की एक्सिस के जप्त करते हुए आरोपी के विरूध् धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इसी प्रकार गोहलपुर पुलिस ने वेदांत शुक्ला उम्र 30 वर्ष निवासी जूनियर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर, जयकुमार उम्र 44 वर्ष निवासी हरदौल मंदिर के पीछे सिंधी कैम्प थाना हनुमानताल को गिरफ्तार किया है जिनके पास से पुलिस ने 197 पाव देशी शराब व मोटर सायकिल सहित जप्त की है।

दावा | कई इलाकों में नहीं होती नियमित फॉगिंग

निगम का नियमित फॉगिंग और स्प्रे करने का दावा

नवभारत, जबलपुर। शहर में बढ़ती गर्मी और बदलते मौसम के बीच मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। दिन और रात के तापमान में अंतर, कई स्थानों पर जमा पानी और बढ़ती उमस के कारण मच्छरों की संख्या में वृद्धि की शिकायतें सामने आने लगी हैं। इसके चलते मलेरिया, डेंगू और अन्य मच्छर जनित बीमारियों को लेकर लोगों की चिंता भी बढ़ गई है। कई क्षेत्रों के नागरिकों का कहना है कि शाम के समय घरों के आसपास मच्छरों की संख्या अधिक महसूस हो रही है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। इस विषय पर नवभारत टीम को नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार मच्छर नियंत्रण के लिए वर्तमान में सुबह के समय 12 टीमें अलग-अलग जोन में कार्य कर रही हैं। ये टीमें क्षेत्रवार जाकर निरीक्षण, सर्वे और मच्छर नियंत्रण संबंधी गतिविधियां संचालित करती हैं।

शाम की अलग टीम

शाम के समय 3 अलग टीमें फॉगिंग और स्प्रे का कार्य करती हैं। निगम का कहना है कि मौसम और जरूरत के अनुसार शहर के अलग-अलग हिस्सों में कार्रवाई की जाती है ताकि मच्छरों के प्रभाव को कम किया जा सके। निगम की ओर से यह भी जानकारी दी गई कि शहर में 4 बड़ी वाहन मशीनों का उपयोग फॉगिंग के लिए किया जाता है। इन मशीनों को अलग-अलग जोन में भेजा जाता है और आवश्यकता के अनुसार अभियान चलाया जाता है। अधिकारियों के अनुसार जिन स्थानों पर लंबे समय तक पानी

जमा रहता है या जहां मच्छरों के पनपने की संभावना अधिक होती है, वहां विशेष रूप से जला ऑयल और बीटीआई पाउडर का उपयोग किया जाता है। इसका उद्देश्य मच्छरों के लार्वा को शुरुआती स्तर पर नियंत्रित करना बताया गया है।

120 कर्मचारियों की तैनाती

निगम का कहना है कि बारिश और मानसून से पहले भी तैयारी शुरू कर दी जाती है ताकि आने वाले समय में स्थिति को नियंत्रित रखा जा सके। जानकारी के अनुसार सितंबर माह से मच्छरों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए कर्मचारियों की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाती है और करीब 120 अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की जाती है। इसके साथ ही विभिन्न जोन में निगरानी और नियंत्रण गतिविधियों को तेज करने का दावा किया गया है। हालांकि दूसरी ओर शहर के कई नागरिक निगम के दावों से पूरी तरह सहमत नजर नहीं आए। लोगों का कहना है कि कागजों पर भले अभियान चलने की बात कही जाती हो, लेकिन कई क्षेत्रों में उसका असर दिखाई नहीं देता। नागरिकों का आरोप है कि उनके इलाके में न तो नियमित रूप से फॉगिंग वाहन पहुंचते हैं और न ही कोई टीम दिखाई देती है। कुछ लोगों ने बताया कि कई बार 2 से 3 महीने तक फॉगिंग नहीं होती और शिकायत करने के बाद भी स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं आता।

समस्या का हो समाधान

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि सभी जोन में समान रूप से कार्रवाई हो और नियमित अंतराल पर फॉगिंग तथा स्प्रे कराया जाए तो मच्छरों की समस्या पर बेहतर नियंत्रण पाया जा सकता है। लोगों ने यह भी मांग की कि केवल मुख्य सड़कों या चुनिंदा इलाकों तक अभियान सीमित न रहे बल्कि कॉलोनियों और अंदरूनी क्षेत्रों में भी टीमों की पहुंच सुनिश्चित की जाए।